इंडियन बैंक
Indian Bank
आपका अपना बैंक • YOUR OWN BANK

वार्षिक रिपोर्ट 2015-16
Annual Report

हरित बैंकिंग । सतत भविष्य ।
Green Banking. Sustainable Future.

श्री महेश कुमार जैन, प्रनि एवं मुकाअ द्वारा श्री अरुण जेटली, माननीय केन्द्रीय वित्त मंत्री, भारत सरकार को लाभांश सौंपते हुए ।
Shri. M.K. Jain, MD & CEO handing over dividend to Shri. Arun Jaitley, Hon'ble Union Finance Minster, GOI

21 अगस्त 2015 को नई दिल्ली में बैंक के 109 वें स्थापना दिवस के उपलक्ष्य में 109 शाखाओं तथा 109 बंच नोट एक्सेपटर / रीसाइक्लर के वर्चुअल उद्घाटन के अवसर पर श्री अरुण जेटली, माननीय केन्द्रीय वित्त मंत्री, भारत सरकार, सभा को संबोधित करते हुए ।

Shri. Arun Jaitley, Hon'ble Union Finance Minister, GOI addressing the gathering, on virtual inauguration of 109 Branches and 109 BNAs/ Recyclers on the eve of 109th Foundation Day of the Bank on August 21, 2015 at New Delhi.

11वें वार्षिक बैंकिंग शिखर सम्मेलन, मुंबई, में श्री जयंत सिन्हा, माननीय वित्त राज्य मंत्री, भारत सरकार से श्री महेश कुमार जैन, प्रनि एवं मुकाअ, प्रतिष्ठित एसोचेम सामाजिक बैंकिंग उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त करते हुए । इंडियन बैंक को मध्यम श्रेणी के बैंक के अंतर्गत इन पुरस्कारों से नवाजा गया –

- कृषि बैंकिंग के अंतर्गत विजेता
- शहरी बैंकिंग के अंतर्गत विजेता
- ग्रामीण बैंकिंग के अंतर्गत उप विजेता

Shri. M.K. Jain, MD & CEO receiving the prestigious ASSOCHAM Social Banking Excellence Award from Shri. Jayant Sinha, Hon'ble Minister of State for Finance, GoI during the 11th Annual Banking Summit, Mumbai. Indian Bank has been awarded under Medium Bank Class for

- Winner Under Agriculture Banking
- Winner under Urban Banking
- Runner up under Rural Banking

निदेशक मंडल
BOARD OF DIRECTORS

बाएं से दाएं : श्री पद्मनाभन विट्ठल दास, श्री विनोद कुमार नागर, सुश्री मुदिता मिश्रा, श्री आर सुब्रमणिय कुमार, कार्यपालक निदेशक, श्री महेश कुमार जैन, प्रबंध निदेशक एवं मुख्य कार्यपालक अधिकारी, श्री टी सी वेंकट सुब्रमणियन, गैर–कार्यपालक अध्यक्ष, श्री बी पी विजयेन्द्र, श्री ए एस राजीव, कार्यपालक निदेशक, श्री श्रीराम रामचन्द्रन , श्री दीपक डी सामंत, श्री पी वेंकट कृष्ण राव

From Left to Right : Mr Padmanaban Vittal Dass, Mr Vinod Kumar Nagar, Ms Mudita Mishra, Mr R Subramania Kumar, Executive Director, Mr Mahesh Kumar Jain, Managing Director & CEO, Mr T C Venkat Subramanian, Non-Executive Chairman, Mr B P Vijayendra, Mr A S Rajeev, Executive Director, Mr Sriram Ramachandran, Mr Deepak D Samant, Mr P Venkata Krishna Rao

इंडियन बैंक
Indian Bank

महा प्रबन्धक / GENERAL MANAGERS

एस के परिदा
S K Parida

रंगराजन जी
Rangarajan G

उदय भास्कर रेड्डी के
Udaya Bhaskara Reddy K

नागराजन एम
Nagarajan M

धर्मराज पी
Dharmaraj P

चेळियन एस
Chezhian S

मणिमारन आर
Manimaran R

पार्थसारथी बी
Parthasarathy B

प्रशांत वी ए
Prasanth V A

कृष्णन एस
Krishnan S

लक्ष्मीपति रेड्डी जी
Lakshmipathy Reddy G

ओम प्रकाश अंबष्ट
Om Prakash Ambasht

गोपाल वी
Gopal V

वेंकटेस पेरुमाल पी
Venkatesa Perumal P

आजाद सिंह गंडस
Azad Singh Gandas

हनुमंतु सन्यासी
Hanumanthu Sanyasi

कार्तिकेयन एम
Karthikeyan M

चन्द्रा रेड्डी के
Chandra Reddy K

रामू ए
Ramu A

इंडियन बैंक
Indian Bank

कॉर्पोरेट कार्यालय : 254 - 260 अव्वै षण्मुगम सालै
Corporate Office : 254-260, Avvai Shanmugam Salai
चेन्नै **Chennai - 600 014**

वार्षिक रिपोर्ट **Annual Report 2015-16**
निष्पादन की प्रमुख बातें **PERFORMANCE HIGHLIGHTS**

(₹ करोड़ों में) **(₹ in crore)**

विवरण **Particulars**	**31-03-12**	**31-03-13**	**31-03-14**	**31-03-15**	**31-03-16**
कुल व्यापार Total Business	211988	249136	286634	298057	310918
जमाएं (ग्लोबल) Deposits (Global)	120804	141980	162275	169225	178286
अग्रिम (ग्लोबल) Advances (Global)	91184	107156	124359	128832	132632
निवेश (सकल) Investments (Gross)	38208	42056	47635	46804	53418
ब्याज आय Interest Income	12231	13898	15249	15853	16244
गैर ब्याज आय Non Interest Income	1232	1283	1372	1363	1781
कुल आय Total Income	13463	15181	16621	17216	18025
ब्याज व्यय Interest Expenses	7813	9368	10889	11391	11798
परिचालनगत व्यय Operating Expenses	2187	2751	2831	2811	3195
कुल व्यय Total Expenditure	10000	12119	13720	14202	14993
परिचालनगत लाभ Operating Profit	3463	3061	2901	3014	3032
निवल लाभ Net Profit	1747	1581	1159	1005	711
जमाओं की लागत (%) Cost of Deposits (%)	6.68	7.07	7.15	7.10	6.76
अग्रिमों पर प्रतिफल (%) Yield on Advances (%)	11.28	11.03	10.38	10.19	9.63
निवल ब्याज मार्जिन (%)Net Interest Margin (%)	3.43	3.09	2.60	2.50	2.33
औसत आस्तियों पर प्रतिफल (%) Return on Average Assets (%)	1.31	1.02	0.67	0.54	0.36
ईक्विटी शेयर पूंजी Equity Share Capital	430	430	465	480	480
स्थायी गैर–संचयी अधिमान शेयर पूंजी Perpetual Non-Cumulative Preference Share Capital	400	400	0	0	0
रिज़र्व एवं अधिशेष (पुनर्मूल्यन रिज़र्व को छोड़कर) Reserves & Surplus (excluding Revaluation Reserve)	8808	10009	11071	12078	12998
निवल संपत्ति Net Worth	9638	10839	11536	12558	13478
सकल एनपीए (%) Gross NPA (%)	2.03	3.33	3.67	4.40	6.66
निवल एनपीए (%) Net NPA (%)	1.33	2.26	2.26	2.50	4.20
पूंजी पर्याप्तता अनुपात Capital Adequacy Ratio					
- बेसल II - Basel II	13.47	13.08	13.10	13.24	13.67
- बेसल III - Basel III			12.64	12.86	13.20
प्रति शेयर अर्जन (₹) Earnings Per Share (₹)	39.57	35.80	26.07	21.62	14.81
प्रति शेयर बही मूल्य (₹) Book Value per Share (₹)	214.94	242.89	248.16	261.46	280.63
प्रति ईक्विटी शेयर लाभांश (₹) Dividend per Equity Share (₹)	7.50	6.60	4.70	4.20	1.50*
शाखाओं की संख्या (नंबर) No. of branches (Nos.)	1958	2092	2253	2412	2565
कर्मचारियों की संख्या (नंबर) No. of employees (Nos.)	18782	18870	19429	20294	20140
प्रति कर्मचारी कारोबार (₹ लाखों में) Business per employee (₹ in lacs)	1114	1301	1453	1443	1531

* प्रस्तावित Proposed

लेखा परीक्षक AUDITORS

एस.पी. पूरी एण्ड कं
S.P. PURI & CO.

सी.के. पृस्टि एण्ड एसोसियेट्स
C.K. PRUSTY & ASSOCIATES

पदमनाभन रमणी एण्ड रामानुजम
PADMANABHAN RAMANI & RAMANUJAM

जी बालु एसोसियेट्स
G BALU ASSOCIATES

प्रकाश चंद्र जैन एण्ड कं
PRAKASH CHANDRA JAIN & CO.

कॉर्पोरेट कार्यालय : 254-260, अव्वै षण्मुगम सालै
Corporate Office : 254-260, Avvai Shanumugam Salai
चेन्नै. Chennai - 600 014

वार्षिक रिपोर्ट Annual Report 2015-16

विषयवस्तु CONTENTS

	पृष्ठ सं.		Page No.
अध्यक्ष का संदेश	1	Chairman's Message	4
प्रनि एवं मुकाअ का संदेश	7	MD & CEO's Message	10
निदेशकों की रिपोर्ट	14	Directors' Report	15
प्रबन्धन विचार विमर्श एवं विश्लेषण	26	Management Discussion and Analysis	27
कॉर्पोरेट अभिशासन पर रिपोर्ट	100	Report on Corporate Governance	101
कॉर्पोरेट अभिशासन पर लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	138	Auditors' Certificate on Corporate Governance	139
वित्तीय विवरण – इंडियन बैंक		**Financial Statements – Indian Bank**	
● तुलन पत्र, लाभ एवं हानि लेखा और अनुसूचियाँ	142	● Balance Sheet, Profit and Loss Account and Schedules	142
● मुख्य लेखाकरण नीतियां	152	● Significant Accounting Policies	153
● लेखों पर टिप्पणियां	162	● Notes on Accounts	163
● लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	224	● Auditors' Report	225
समेकित वित्तीय विवरण		**Consolidated Financial Statements**	
● तुलन पत्र, लाभ एवं हानि लेखा और अनुसूचियाँ	228	● Balance Sheet, Profit and Loss Account and Schedules	228
● मुख्य लेखाकरण नीतियां	236	● Significant Accounting Policies	237
● लेखों पर टिप्पणियां	250	● Notes on Accounts	251
● लेखा परीक्षकों की रिपोर्ट	276	● Auditors' Report	277
अतिरिक्त प्रकटीकरण	278	Additional Disclosures	279

इंडियन बैंक
निवेशक सेवाएं कक्ष
संख्या. 254-260, अव्वै षण्मुगम सालै
रायपेट्टा
चेन्नै – 600 014
दूरभाष सं 044 28134076; Fax No.044 28134075
ई–मेल : investors@indianbank.co.in

Indian Bank
Investor Services Cell
No.254-260, Avvai Shanmugam Salai
Royapettah
Chennai - 600 014
Tel No. 044 28134076; Fax No. 044 28134075
E – Mail : investors@indianbank.co.in

शेयर अंतरण एजेंट
केमियो कॉर्पोरेट सर्विसेज़ लिमिटेड
यूनिटः : इंडियन बैंक
सुब्रमणियन बिल्डिंग, 1, क्लब हाउस रोड
चेन्नै – 600 002
दूरभाष सं. 044 28460718; फैक्स सं. 044 28460129
ई–मेल : investor@cameoindia.com

Share Transfer Agent
Cameo Corporate Services Limited
Unit : Indian Bank
Subramanian Building, 1, Club House Road
Chennai - 600 002
Tel No. 044 28460718; Fax No. 044 28460129
E – Mail : investor@cameoindia.com

श्री टी सी वेंकट सुब्रमणियान
गैर–कार्यपालक अध्यक्ष

अध्यक्ष का संदेश

> अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेजी से विकसित होनेवाले अर्थव्यवस्था में से एक बनकर, वैश्विक अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में एक बेहतरीन मुल्क के रूप में उभरा है।

प्रिय शेयरधारकों,

मुझे आपके बैंक के वित्तीय वर्ष 2015–16 की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए अति प्रसन्नता हो रही है।

सर्वप्रथम मैं बैंक के प्रति आपके अविरत विश्वास, समर्थन एवं निष्ठा के लिए गहन आभार व्यक्त करता हूँ । अपने कार्यकाल के 109 वें वर्ष की समाप्ति पर इसके अखिल भारतीय नेटवर्क में वृद्धि एवं भारत भर में अपने शाखा नेटवर्क को बढाने के लिए, बैंकिंग सेवाओं से वंचित और कम बैंकिंग सेवाएं प्राप्त क्षेत्रों तक अपनी पहुँच को बढाने के लिए बैंक ने वर्तमान वर्ष में 153 शाखाएं और 440 एटीएम/बीएनए खोले हैं जिसमे 2562 पारंपरिक शाखाएँ एवं 2784 एटीएम (इसमें नकदी रीसाइक्लिंग कार्यक्षमता से युक्त 253 बंच नोट एक्सेप्टर भी सम्मिलित हैं) सहित कुल 5346 सुपुर्दगी चैनल रहे ।

मुझे यह बताते हुए अति प्रसन्नता हो रही है कि वर्ष 2015–16 के दौरान बैंक ने, न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था की चुनौतियों का सामना करते हुए अपने आघात सहने के सामर्थ्य को दर्शाया है, बल्कि साथ ही राष्ट्रीय लक्ष्यों के अंतर्गत प्राथमिक क्षेत्र के प्रत्येक श्रेणी के तहत ऋण देने में बेहतर प्रदर्शन करने की निरंतरता को बनाए रखा है, जैसे प्राथमिक क्षेत्र में अग्रिमों के अंतर्गत 40.85% (अनिवार्य 40%) का स्तर, कृषि में 18.68% (18%), कमजोर वर्गों को अग्रिम 11.30% (10%) एवं एमएसएमई के अंतर्गत सूक्ष्म उद्यमों के लिए 8.12% (7%) का ऋण प्रदान किया गया है।

वैश्विक – आर्थिक परिदृश्य

वैश्विक आर्थिक परिप्रेक्ष्य में वसूली की प्रक्रिया तो जारी है परंतु यह प्रक्रिया धीमी एवं दुर्बल गति के साथ आगे बढ़ रही है । वैश्विक विकास के परिपेक्ष्य में वर्ष 2016 का प्रक्षेपण पिछले वर्ष के समान ही मामूली (3.2 प्रतिशत) रहा है। मुख्यतः उभरते बाजार एवं विकासशील अर्थव्यवस्था में आई तेजी के कारण दबावग्रस्त अर्थव्यवस्था की स्थिति धीरे–धीरे सामान्य हो रही है, जिसके परिणामस्वरूप वर्ष 2017 में वसूली प्रक्रिया को बल देते हुए 3.5 प्रतिशत एवं उससे अधिक की वसूली का पूर्वानुमान लगाया गया है।

वर्ष 2017 के पश्चात वैश्विक विकास में वृद्धि का अनुमान है जो वर्ष 2021 की अंत तक 4 प्रतिशत के अंदर रहेगी, जो आनेवाले समय में उभरते बाज़ार एवं विकासशील अर्थव्यवस्था मंत आनेवाली तेजी को विकास को दर्शा रही है। यह परिणाम उन समस्त महत्वपूर्ण अनुमानों पर निर्भर करता है जो बृहत अधोजोखिम के विषय से संबद्ध है जैसे इस समय दबाव में चल रहे कई अर्थव्यवस्थाओं की स्थिति में धीरे–धीरे हो रहे सुधार, पण्यों के निर्यात में हो रहे सुधार, चीन की अर्थव्यवस्था का सफल पुनर्संतुलन एवं अन्य उभरते बाजार तथा विकासशील अर्थव्यवस्थाओं की आघात–सह वृद्धि । इस संदर्भ में, वैश्विक विकास की गति को तीव्र करने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करनेवाले एवं तीव्र गति से विकसित होनेवाले चीन एवं भारत जैसे देशों का वैश्विक महत्व धीरे–धीरे बढ़ेगा ।

आधारभूत सीमित मांग तथा एक संभाव्य वृद्धि में व्यापक स्तर पर कमी के तहत उन्नत अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि अपेक्षित है। संभाव्य वृद्धि में कमी के मुख्य कारक, बढ़ती हुई जनसंख्या, जोकि वर्तमान दर पर श्रम बाजार भागीदारी पर रोजगार प्रचलन को कम कर देगी; निष्क्रिय निवेश तथा कुल घटक उत्पादकता वृद्धि में कमी आदि हैं। संभावित आउटपुट बढ़ाते समय, यह क्षणिक अनुमान व्यापक पॉलिसी प्रतिक्रिया की अत्यावश्यकता को बढ़ाता है तथा अनुरक्षा का प्रबंधन करता है। उच्च तथा दीर्घकालिक वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए संरचनात्मक सुधार, सतत मौद्रिक नीति संयोजन, तथा राजकोषीय विस्तार पॉलिसी की प्राथमिकताएं हैं।

भविष्य में, वैश्विक अर्थव्यवस्था में सुधार की इस गंभीर स्थिति में जोखिम की संभावना होने पर वृद्धि को प्रोत्साहित करने के लिए बहुपक्षीय कार्य–योजनाओं की आवश्यकता है। बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में अतिरिक्त नीतिगत कार्रवाइयों की पहचान होनी चाहिए जोकि शीघ्र ही कार्यान्वित हो सकें । यदि यह संकेत हों कि वैश्विक नकारात्मक जोखिमें मूर्त रूप लेने वाली हैं, तो उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं से जो उच्च उपचत नुक़सानों से कमॉडिटी एक्स्पोर्टरों को सुरक्षित करने के लिए तथा गैर आर्थिक नुक़सानों से आर्थिक प्लवनों से सुरक्षा करने के लिए वैश्विक वित्तीय तंत्र मजबूत बनाया जाना चाहिए।

इस उभरते बाजार एवं विकासशील अर्थव्यवस्थाओं से वर्ष 2017 में वैश्विक विकास के क्षेत्र में, अग्रिम अर्थव्यवस्था के अंतर्गत 2.0 प्रतिशत की तुलना में 4.6 प्रतिशत के पूर्वानुमानित वृद्धि के साथ, सर्वाधिक योगदान की अपेक्षा किया जा रहा है। वैश्विक व्यापार वृद्धि सामान्य रहने की उम्मीद है परंतु उभरते बाजार एवं विकासशील अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में मुख्यतः घरेलू मांग में हो रही व्यापक वृद्धि के परिणाम स्वरूप वैश्विक व्यापार वृद्धि में 2016 से धीरे दृ धीरे वृद्धि हो रही है।

घरेलू – आर्थिक परिप्रेक्ष्य

अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में भारतीय अर्थव्यवस्था दुनिया में सबसे तेजी से विकसित होनेवाले देशों में से एक बनकर वैश्विक अर्थव्यवस्था के क्षेत्र में एक बेहतरीन मुल्क के रूप में उभरा है। कई कारक भारत को एक उभरता बाजार बनाते हैं । भारत एक बड़ा तेल आयातक देश है एवं तेल की कीमतों में गिरावट से मुद्रास्फीति को कम करने में मदद मिली है। हाल ही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में हो रहे विकास से संबद्ध आंकड़े केंद्रीय सांख्यिकी कार्यालय द्वारा जारी किया गया जो यह दर्शाता हैं कि मार्च 2016 को समाप्त तिमाही में भारत की अर्थव्यवस्था में 7.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई है जो पिछली तिमाही को उपार्जित 7.2 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में एक त्वरित विकास को दर्शाता है । वित्तीय वर्ष की चौथी तिमाही के सशक्त प्रदर्शन के परिणाम स्वरूप वर्ष 2014–15 के पूरे वर्ष का विकास दर 7.2 प्रतिशत से बढ़कर 7.6 प्रतिशत, 2013–14 का 6.6 प्रतिशत एवं 2012–13 का 5.6 प्रतिशत हो गया। यह वृद्धि इसलिए उल्लेखनीय है क्योंकि एक दीर्घकालिक एवं व्यापक सूखे के बावजूद इसे प्राप्त किया गया था जिसने निश्चित रूप से ग्रामीण मांग कम किया था ।

पूरे वर्ष के लिए सकल मूल्य संवर्धित (जीवीए) बुनियादी मूल्यों में प्रावधिक 7.2 प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिसमें पिछले वर्ष 2014–15 को केवल 7.1 प्रतिशत की वृद्धि हुई थी, जो भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा पूर्वानुमानित 7.4 प्रतिशत की वृद्धि की तुलना में कम है। जीवीए के आंकड़ें इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दिखाती है कि ये कर एवं सब्सिडी सकल जीडीपी पर महत्वपूर्ण प्रभाव डालती है।

वर्तमान तिमाही तथा शेष वर्ष की संभावनाएं बहुत कुछ इस वर्ष के मानसून पर निर्भर हैं । प्रथमतः वर्षा की प्रमात्रा पर तथा आगे भौगोलिक व मौसमी वितरण पर, वैसे ही कुछ निवेश प्रोत्साहन प्रदान करने की ज़िम्मेदारी अधिक लोक व्यय लागत पर निर्भर होगा क्योंकि निजी क्षेत्र में निवेश कम हुआ है तथा पुनरुज्जीवन के लिए कोई उपाय नहीं है।

सरकार की 'मेक इन इंडिया', 'स्टैंड अप इंडिया', 'स्टार्ट अप इंडिया' एवं 'डिजिटल इंडिया' तथा सातवें वेतन आयोग के कार्यान्वयन जैसी पहलों के परिणाम स्वरूप अर्थव्यवस्था में तेजी आने की अपेक्षा है। भारत सरकार का दूसरा मुख्य मुद्दा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को पुनरुज्जीवित करना है जो देशभर में स्थानिक वर्षा एवं गंभीर सूखे के कारण अधिक विकास नहीं दिखा पाई। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) ने पूरे देश में सामान्य बारिश होने के सकारात्मक संकेत दिए हैं जो अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देगी एवं अधिक ग्रामीण मांग भी सृजित करेगी।

बैंकिंग क्षेत्र के निष्पादन :

बिगड़ती आस्ति गुणवत्ता तथा उसके कारण बैंकों की ऋण जोखिम संविभाग पर असर वर्ष 2015–16 बैंकिंग क्षेत्र के लिए विक्षुब्ध रहा है। आस्ति गुणवत्ता की चुनौतियां पण्य मूल्यों में भाव को कम करने से तथा आर्थिक हेडविंड में वृद्धि हो गई है जोकि प्रमुख क्षेत्र जैसे मूलभूत संरचना, बिजली, स्टील तथा निर्माण पर असर डाला है ।

आस्ति गुणवत्ता में गिरावट बेसल III के अनुपालन में, लाभ प्रदत्ता तथा पूंजी आवश्यकताओं पर असर डालता है । बैंकिंग क्षेत्र के लिए अन्य चुनौतियाँ तथा लघु वित्त तथा पेमेंट बैंकों का प्रवेश रिख्थ विहीन डिजिटल प्लैटफ़ार्म का समर्थन, युवा कर्मचारियों द्वारा नौकरी छोड़ना तथा अनुभवी स्टाफ की सेवानिवृत्ति कॉर्पोरेट क्षेत्र को बॉन्डों तथा वाणिज्य पत्रों के जरिये निधियों के वैकल्पिक स्रोतों की उपलब्धता की मध्यस्थता बंद होना इत्यादि है। बैंकिंग लाभ प्रदता पर दूसरी प्रमुख चुनौती है अन्तराष्ट्रिय वित्तीय रिपोर्टिंग मानक आईएफ़आरएस का कार्यान्वयन ।

वित्तीय वर्ष 2016 में सभी अनुसूचित वाणिज्य बैंकों में ऋण की वृद्धि 11.3 प्रतिशत तक बढ़ी, जबकि पिछले वर्ष में जो 9.0 प्रतिशत रहा है तथा जमाओं की वृद्धि पिछले वर्ष के 10.7 प्रतिशत से इस वित्तीय वर्ष में 9.9 प्रतिशत तक घटी ।

कारोबार तथा वित्तीय उपलब्धियां :

इस परिदृश्य में मैं प्रमुख क्षेत्रों में, बैंक द्वारा किए गए निष्पादन के मुख्य बातों का अवलोकन करना चाहता हूँ।

- बैंक के कारोबार की स्थिति वर्ष के दौरान रुपये 3,00,000 करोड़ के माइल स्टोन को पार कर लिया है । 31 मार्च 2016 को समाप्त वर्ष के लिए कारोबार 4.31 प्रतिशत बढ़कर रुपये 3,10,918 करोड़ हो गया, जबकि जमाओं में वृद्धि रुपये 9061 करोड़ से बढ़ी है या 5.35 की वृद्धि से रुपये 1,78,286 करोड़ हो गया है । अग्रिम में रुपये 3800 करोड़ की वृद्धि हुई है या 2.95 प्रतिशत की वृद्धि से रुपये 1,32,632 करोड़ हो गया है।

- बैंक का परिचालनगत लाभ रुपये 3032 करोड़ रहा, जबकि निवल लाभ रुपये 711 करोड़ है ।

- बैंक की निवल मालियत रुपये 13,478 करोड़ तक बढ़ गई है ।

- प्रति शेयर आय (वार्षिककृत) तथा प्रति शेयर अंकित मूल्य क्रमशः रुपये 14.81 और रुपये 280.63 रहा । पिछले वित्तीय वर्ष 2015–16 के लिए इक्विटी पर प्रतिलाभ 5.46 प्रतिशत रहा ।

- मार्च 2016 के अंत में बेसल प्प् के अधीन बैंक की वित्तीय स्थिरता सीआरएआर (जोखिम भारित आस्ति की तुलना में पूंजी का अनुपात) के अनुसार 13.20 प्रतिशत पर मजबूत था । बैंक इस अनुपात के संबंध में लगातार शिखर स्थिति पर है तथा पर्याप्त रूप से पूंजी प्राप्त है ।

मुझे यह सूचित करने में हर्ष हो रहा है कि बैंक के निदेशक मण्डल ने 15 प्रतिशत के लाभांश की घोषणा की है । 4.25 करोड़ ग्राहकों से प्राप्त विश्वास हमें लगातार कई वर्षों में बेहतर निष्पादन करने के लिए प्रेरित किया है ।

आगे भविष्य की ओर

बैंक का ध्यान इसपर केन्द्रित होगा कि एमएसएमई मध्य कॉर्पोरेट, खुदरा और कृषि को पहचानकर ऋण, लघु एवं मध्यम उद्यम और खुदरा ग्राहकों को प्रदान करने से सम्पूर्ण ऋण बही में वृद्धि होगी, ताकि इस वित्तीय वर्ष में ऋण की वृद्धि का चालक बने । खुदरा ऋण बही तेजी से बढ़ने वाले एमएसएमई क्षेत्र पर निर्भर होकर आवास ऋण से सुदृढ़ बनेगा । अब सरकार से इस क्षेत्र को दिये जानेवाले ज़ोर से एमएसएमई का भविष्य उज्जवल है ।

खुदरा एवं मध्यम कॉर्पोरेट क्षेत्र पर केन्द्रीय ध्यान होने के लिए बैंक इन प्रमुख क्षेत्रों में वर्टिकल्स बनाने की प्रक्रिया में है यथा ऋण को सम्मिलित कर बंधक ऋण, मध्यम क्षेत्र में एमएसएमई तथा मध्यम कॉर्पोरेट ऋण को सम्मिलित कर और अन्य खुदरा ऋण में कृषि, लघु एवं सूक्ष्म उद्यम को सम्मिलित कर ।

हमारे शेयर धारकों, ग्राहकों, हितैषियों के अनवरत समर्थन और हमारे कर्मचारियों के अथक प्रयासों से और साथ ही भारत सरकार और भारतीय रिजर्व बैंक से समर्थन के कारण मुझे विश्वास है कि आपका बैंक उत्कृष्टता के शिकार पर पहुँचने हेतु सदैव प्रयासरत रहेगा ।

शुभकामनाओं के साथ

आपका

टी सी वेंकट सुब्रमणियन
गैर–कार्यपालक अध्यक्ष

Shri. T C Venkat Subramanian
Non-executive Chairman

Chairman's Message

The Indian Economy has emerged as a **'bright spot'** in the world economy, becoming one of the fastest growing economies in the world.

Dear Shareholders,

It gives me immense pleasure to present the Annual Report of your Bank for the Financial Year 2015-16.

At the outset, I would like to express my deep sense of gratitude for your continuous trust, support and loyalty extended to the Bank. On the eve of completion of its 109th year of operations, Bank had opened 153 branches and 440 ATMs / BNAs in the current year to touch 5346 delivery points, including 2562 Brick & Mortar branches and 2784 ATMs (including 253 Bunch Note acceptors enabled with cash recycling functionality), towards enhancing its *pan*-India network and to extend its reach to the under-banked and unbanked areas.

I am pleased to report that during the year 2015-16, Bank not only displayed its resilience to challenges in the Indian economy, but also sustained its performance by surpassing the National goals under Priority Sector lending for each category viz., Level of 40.85% (Mandatory 40%) under Priority Sector advances, 18.68% (18%) in Agriculture, 11.30% (10%) for Advances to weaker sections and 8.12% (7%) in lending to Micro Enterprises under MSME.

Economic overview - Global

From the global economic perspective, the recovery continues, but at a slow and increasingly fragile pace. Projection for global growth in 2016 is a modest 3.2%, broadly in line with last year. The recovery is projected to strengthen in 2017 to 3.5% and beyond, driven primarily by emerging market and developing economies, as conditions in stressed economies start to normalize gradually.

Global growth is projected to increase further beyond 2017, to just below 4% by the end of the forecast horizon in 2021, reflecting a further pickup in growth in emerging market and developing economies. This outcome relies on a number of important assumptions which are subject to sizable downside risks viz., gradual normalization of conditions in several economies currently under stress, pickup in activity in commodity exporters, successful rebalancing of China's economy and resilient growth in other emerging market and developing economies. In this context, the gradual increase in the global weight of fast-growing countries such as China and India would also play a role in boosting global growth.

Growth in advanced economies is expected to be modest under the baseline, reflecting subdued demand and a broad-based weakening of potential growth. The main factors underlying the weakening in potential growth are population aging, which would reduce trend employment at current rates of labour market participation, sluggish investment and weakening of total factor productivity growth. This fragile conjuncture increases the urgency of a broad-based policy response that safeguards near-term growth, while raising potential output, and manages vulnerabilities. The policy priorities for securing higher and sustainable growth are: structural reforms, continued monetary policy accommodation and fiscal expansion.

Going forward, there is a need for multilateral actions to boost growth while containing risks at this critical stage of global recovery. In the larger economies there should be proactive identification of additional policy actions that could be implemented quickly if there are signs that global downside risks are about to materialize, global financial safety net should be strengthened to protect emerging economies who are commodity exporters from high susceptible shocks and protecting economies from spillovers from non-economic shocks.